



## भद्राचल राम मङ्गलम्

रामचन्द्राय जनकराजजा मनोहराय  
मामकाभीष्टदाय महित मङ्गलम् ॥

कोसलेन्द्राय मन्दहास दास पोषणाय  
वासवादि विनुत सर्वदाय मङ्गलम् ॥ १॥

चारुकुङ्कुमोपेत चन्दनादि चर्चिताय  
हार कटक शोभिताय भूरि मङ्गलम् ॥ २॥

ललित रत्न कुण्डलाय तुलसी वनमालिकाय  
जलज सदृश देहाय चारु मङ्गलम् ॥ ३॥

देवकी सुपुत्राय देवदेवोत्तमाय  
चावजात गुरुवराय भव्य मङ्गलम् ॥ ४॥

पुण्डरीकाक्षाय पूर्णचन्द्राननाय  
अण्डजात वाहनाय अतुल मङ्गलम् ॥ ५॥

विमल रूपाय विविध वेदान्तवेद्याय  
सुमुख चित्त कामिताय शुभद मङ्गलम् ॥ ६॥

रामदासाय मृदुल हृदय कमल वासाय  
स्वामि भद्रगिरिवराय सर्वमङ्गलम् ॥ ७॥

इति श्रीभद्राचल राम मङ्गलम् ।